माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

वर्ष 2014 | 20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3 0	

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक A-

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	4	6	7	2	5	7	8	8

शब्दों में

एक	चार	छह	सात	दो	पांच	सात	आठ	आठ

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की सख्या अकों में × शब्दों में –

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमाक 10

ग – परीक्षा का दिनाक 26 03 14

परीक्षा का नाम एव परीक्षा केन्द्र क्रमाक की मुद्रा

HIGH SCHOOL CERTIFICATE EXAM- केन्द्र क्र. 672013

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
26/3/14 Smt. Jyoti Tomar	Y.B. Dalvi

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्याकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की सख्या उपरोक्तानुसार सही पाई गई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नही पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अको की प्रविष्ठी एव अको का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा नाम, पदनाम मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमाक एवं पदांकित सस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एव निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एव निर्धारित मुद्रा
गुजर नाहीधा	M.S. ... 03 164

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमाक	प्राप्तांक (अकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
कुल प्राप्तांक		

Laser/Inkjet Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्र० क्र० (1) का उत्तर

(अ) विश्वबैंक

(ब) बहादुरशाह द्वितीय

(स) महात्मा गाँधी

(द) सामाजिक

गुणवत्ता

S

E

प्र० क्र० (2) का उत्तर

(अ) अचानक उत्पन्न होने वाली प्राकृतिक आपदाए निं०लि० है।

(i) भूकम्प
(ii) भू-स्खलन

(ब) मौलिक अधिकारों का संरक्षक सर्वोच्च न्यायालय है।

(स) पार्षद

7

③ [ ] + [ ] = [1]

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ अंक   कुल अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

क्र

(द) एक लम्बे और स्वस्थ जीवन के मापन हेतु जन्म के समय जीवन प्रत्याशा।

(इ) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 15 मार्च को, मनाया जाता है।

[प्र० क्र. (3) का उत्तर]

(अ) सत्य

(ब) असत्य

(स) सत्य

(द) सत्य

सत्य

[प्र० क्र. (4) का उत्तर]

उत्तर

आकाशवाणी — 1957

स्वामी विवेकानन्द — रामकृष्ण मिशन

चरण पादुका गोलीकाण्ड — छतरपुर

4

योग पूर्व पृष्ठ · पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

परिवहन एवं संचार — तृतीयक क्षेत्र

सीमेन्ट का कारखाना — द्वितीयक क्षेत्र

प्र० क्र० (5) का उत्तर

(अ) हीरा

(ब) 1948

(स) 20 अक्टूबर 1962

(द) 10

(ई) उपर्युक्त सभी

प्र० क्र० (6) का उत्तर

मृदा अपरदन :- बहते हुए जल, वायु, तथा जीवजन्तुओं व मानवीय क्रियाकलापों द्वारा भूपटल की ऊपर की उपजाऊ मिट्टी की परत के कट जाने, बह जाने तथा उड़कर अन्यत्र स्थानांतरित हो जाने को मिट्टी का कटाव व मृदा अपरदन कहते हैं।

2

प्र० क्र० (7) का उत्तर

बैरकपुर तात्कालिक कारण

भारतीय सैनिको को एक प्रकार की रायफल दी जाती थी जिसकी कारतूसो मे गाय व सुअर की चर्बी लगी होती थी रायफल मे कारतूसो को भरने से पहले उसके किनारे को दांतो से काटना पड़ता था भारतीय सैनिको ने चर्बी वाले कारतूसो को भरने से इंकार कर दिया। और यही बात 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण बनी। अतः 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस ही था।

3

प्र० क्र० (8) का उत्तर

इंडिया विजन 2020:-

भारतीय योजना आयोग ने जनवरी 2003 मे इंडिया विजन-2020 के नाम से एक महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किया। इस दस्तावेज के अनुसार भारत सन 2020 तक विकासीत देशो की श्रेणी मे सम्मिलित हो जाएगा। और फलतः देश से बेरोजगारी, गरीबी और निरक्षरता पूर्णतः दूर हो जाएगी। योजना आयोग का अनुमान है कि सन 2020 तक भ देश की लगभग 135 करोड़ जनसंख्या बेहतर पोषित, अच्छे रहन के स्तर वाली, पूर्णतः स्वस्थ व अधिक औसत वाली होगी।

6 [ ] + [ ]

प्र० क्र० (9) का अथवा का उत्तर

अधोसंरचना के दो प्रकार है :

(i) आर्थिक अधोसंरचना

(ii) सामाजिक अधोसंरचना

आर्थिक अधोसंरचना :- अधोसंरचना जो मुख्यतः शक्ति, यातायात व दूरसचार से संबंधित होती है आर्थिक अधोसंरचना कहलाती है। उदा॰ रेल, सड़क ।

B S E

सामाजिक अधोसंरचना :- सामाजिक अधोसंरचना मानव संसाधन के विकास एवं मानव की पूँजी निर्माण मे सहायक होती है उदा॰ शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा ।

प्र० क्र० (10) का उत्तर

उपभोक्ता शोषण से आशय :- उपभोक्ता शोषण से आशय उत्पादक द्वारा कम वजन तौलना, अधिक कीमत वसूलना, मिलावटी व अशुद्ध सामग्री बेचना तथा भ्रामक विज्ञापन देकर उपभोक्ताओं को गुमराह करना। इन सभी गतिविधियों से उपभोक्ता का शोषण होता है

प्र० क्र० (11) का उत्तर

स्वामित्व के आधार पर उद्योग चार प्रकार के होते है।

1) निजी उद्योग

2) सरकारी उद्योग

3) सहकारी उद्योग

4) मिश्रित उद्योग

वर्णन

निजी उद्योग :- वे उद्योग जो व्यक्ति के स्वामित्व मे होते है निजी उद्योग कहलाता है।

सरकारी उद्योग :- वे उद्योग जो सरकार के स्वामित्व मे होते है सरकारी उद्योग कहलाता है।

प्र० क्र० (12) का उत्तर

आंतरिक जल परिवहन की प्रमुख बाधाएं निम्नलि है-

1) देश की अधिकांश नदियाँ मौसमी होती है शुष्क मौसम मे कुछ नदियाँ तो बिल्कुल सूख जाती है तथा कुछ नदियो मे इतनी पतली जलधार रहती है कि उनमे नाव व स्टीमर नही चलाए जा सकते ।

प्रश्न क्र. (ii) सतत बहने वाली नदियों मे से जगह जगह से नहरें निकाल ली जाती है। जिससे उसमे जल स्तर तो कम हो ही जाता है और साथ ही मार्गद्वार मे भी बाधा आती हैं और उसमे नाव व स्टीमर नही चलाए जा सकते। पहले जो नदियाँ नौ सन्चालन के योग्य थी वह अब उपयोगी नही रही।

प्र० क्र. (13) का उत्तर

B S E

आपदा :- आपदा एक प्राकृतिक और मानवजनित विपत्ति है। जिसका प्रभाव अत्यंत विनाशकारी होता है। तथा इससे जनधान की भी हानि होती है।

आपदा वे समस्त घटनाए है जो प्रकृति मे व्यापक रूप से घटित होती है तथा मानव समुदाय को सकंट व असुरक्षा मे डालते हुए मानवीय दुर्बलताओं को दर्शाती है। आपदाए कहलाती है कुछ प्रमुख आपदा :- भूकम्प, भूस्खलन, आदि

आपदाए दो प्रकार की होती हैं:-

(i) प्राकृतिक आपदाऐ
(ii) मानवीय आपदाए या मानवकृत आपदाए -

प्राकृतिक आपदा :- जो प्रकृति मे व्यापक रूप से घटित होती है वे घटनाए प्राकृतिक आपदाए कहलाती है।

उदा. भूकंप, चक्रवात।

9 [ ] + [\ ] = [ ]

योग पृ० पृष्ठ क कुल अंक

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

मानवकृत आपदाएँ :- मानवीय आपदाएं वे घटनाएं जो मानवीय महत्वाकांक्षा व क्रियाकलापों से संबंधित होती हैं। उदाहरण जैविक रासायनिक बम विस्फोट।

[प्र० क्र. (14) का अथवा का उत्तर]

जलियाँवाला बाग हत्याकांड :- रोलेट एक्ट 1919 मे पारित हुआ था पंजाब मे भी रोलेट अधिनियम पारित हुआ। 10 अप्रैल 1919 को कांग्रेस के दो प्रभावशाली नेता डा० सत्यपाल और सैफुउद्दीन किचलू गिरफ्तार कर लिए गए। इन कांग्रेस नेताओ के विरोध मे 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर मे बैसाखी के दिन जलियावाला बाग मे एक सभा रखी गई। जबकि जनरल डायर ने कोई भी सभा नगर मे करने से मना किया था जलियांवाला बाग एक छोटा सा बाग था उसके चारो ओर छोटे छोटे मकान बने हुए थे। जलियाँवाले बाग मे एक ही निकास द्वार था जैसे ही सभा शुरू हुई। जनरल डायर भी अपने सैनिको के साथ बाग मे प्रवेश कर लिया। सभा मे कई स्त्रियाँ, बूढ़े, बच्चे आदि थे। जनरल डायर ने अपने सैनिको को हुक्म दिया कि जब गोलाबारूद खत्म न हो जाए तब तक गोलियाँ चलाना। इस घटना मे 400 लोग मृत व 1200 लोग घायल हुए जनरल डायर की इस "क्रूरतम पशुता" और "जानबूझकर किए गए नरसंहार" से अंग्रेजों की आत्मा भी कांप उठी। और उन्होने भी इसकी निंदा की।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्र. (15) का उत्तर

भारत और चीन युद्ध के परिणाम निम्नलि है

(i) भारत और चीन के संबंध तनावपूर्ण हुए -

(ii) भारत की अन्तर्राष्ट्रीय और गुटनिरपेक्षता की नीति को धक्का लगा -

(iii) चीन और पाकिस्तान मे नवीन संबंध स्थापित हुए -

भारत और अमेरिका के संबंधो मे सुधार हुआ -

प्र० क्र. (16) का उत्तर

भारत का संविधान लिखित एव निर्मित संविधान है जिसका निर्माण विधिवत गठित संविधान सभा द्वारा किया गया है हमारा संविधान 2 वर्ष 11 माह 18 दिन की कार्य अवधि मे बनकर तैयार हुआ -। हमारा संविधान विश्व का सबसे विशाल संविधान है हमारे संविधान मे 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियां है हमारा संविधान 22 भागो मे विभाजित है जबकि अमेरिका के संविधान मे 7, कनाडा के संविधान मे 147 तथा आस्ट्रेलिया के संविधान मे केवल 128 ही अनुच्छेद है।

इससे ज्यादा अनुच्छेद किसी भी देश के नहीं है। हमारा संविधान लिखित रूप में भी मौजूद है। विश्व मे इतना विशाल संविधान किसी भी देश का नही है। हमारे सकंलित भी संविधान में सकंलित सभी प्रलेख लिखित रूप मे मौजूद है। अतः इन सभी कारणो से हम कह सकते है कि हमारा संविधान एंव विस्तृत है।

प्र० क्र० (17) का उत्तर अथवा का उत्तर

~~समाजवादी अर्थव्यवस्था है~~

वैश्वीकरण का छोटे उत्पादको पर प्रभाव :- वैश्वीकरण का छोटे उत्पादकों पर बुरा असर पड़ा है। विदेशी उत्पादित माल से प्रतियोगिता करने मे छोटे उद्योग सक्षम नही है। इसके कारण छोटे उत्पादकों पर बुरा प्रभाव पड़ा व अनेक छोटे उद्योग नष्ट हो गए। बैटरी, संधारित्र, डेयरी, टायर, खिलौने आदि बनाने के उद्योगो की स्थिति अत्यधिक खराब हो गई। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि लघुउद्योगो मे कृषि के बाद सबसे अधिक लोगो को रोजगार प्राप्त है। वैश्वीकरण के कारण उच्च वर्ग के लोगो को ही लाभ हुआ है। इसका सभी को लाभ नही मिला। श्रमिको पर वैश्वीकरण और अधिक बुरा प्रभाव पड़ा है। वैश्वीकरण के इस युग बड़े बड़े उद्योगो से छोटे उद्योग प्रतियोगिता करते है। वह प्रतियोगिता मे असफल हो जाते है इसका उनके उत्पादन व विकास पर भी पड़ता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

पृष्ठ क्र. (18) का अथवा का उत्तर

(1) हिम

✕

(2) वर्षा

●

B
S
E

(3) ओला

△

(4) कुहरा

≡

(5) धुंधला प्रकाश

⊙

13

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ = कुल

प्रश्न क्र

(प्र०क्र० (19) का अथवा का उत्तर)

सविनय अवज्ञा आंदोलन के चलाए जाने के कारण :-

कांग्रेस अधिवेशन मे कांग्रेस समिति को सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी गई। वाइसराय लार्ड इरविन ने लाहौर अधिवेशन के पूर्ण स्वाधीनता के प्रस्ताव को मानने से इंकार कर दिया। किंतु गांधी जी तो अभी भी समझौते की आशा रखते थे उन्होने वाइसराय लार्ड इरविन के समक्ष 11 मांगे प्रस्तुत की। और यह भी घोषित किया कि मांगे स्वीकार न की जाने की स्थिति में सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया जाएगा।

गांधी जी ने निम्नलि मांगे प्रस्तुत की - गांधी जी चाहते थे कि सरकार विनिमय की दर घटाए, भूराजस्व कम करे, पूर्ण नशाबन्दी लागू हो, नमक कर समाप्त हो, बंदूक रखने पर लाइसेंस दिया जाए, कपड़ो का आयात कम हो, सैनिक व्यय मे पचास प्रतिशत की कमी हो। वाइसराय ने इन सभी मांगो को अस्वीकार किया और गांधी जी ने योजनानुसार सविनय अवज्ञा आंदोलन आरम्भ किया। इस आंदोलन मे महिलाओ ने खुलकर भाग लिया। देशी उद्योगो को बढ़ावा मिला। विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार किया गया। करबन्दी आंदोलन होने के कारण किसानो मे भी राजनीतिक चेतना जागी।

B
S
E

प्र० क्र. (२०) का अथवा का उत्तर

1971 मे हुए भारत-पाक युद्द मे पाकिस्तान की पराजय के निम्नलि कारण थे -

(i) पाकिस्तान सैनिक दृष्टि से भारत से कमजोर था।

(ii) पाकिस्तान का नैतिक पक्ष दुर्बल था पाकिस्तान द्वारा पूर्वी पाकिस्तान के साथ जो भेदभावपूर्ण नीति चलायी गई थी उसके कारण जनआंदोलन आरम्भ हुआ -

(iii) पाकिस्तान की सैनिक तानाशाही लोकतांत्रिक प्रणाली की उपेक्षा कर रही थी यह उपेक्षा पाकिस्तान के लिए हानिकारक सिद्द हुई।

(iv) पाकिस्तान पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान के मध्य दूरी होने के कारण पूर्वी पाकिस्तान तक सहजता से नही पहुँच सका।

(v) पाकिस्तान के अत्याचारो से पीड़ित लाखोंकी संख्या मे शरणार्थी भारत आए।

(vi) इस प्रकार भारत को पाकिस्तान के मामले मे हस्तक्षेप करने का अवसर मिला। जिससे पाकिस्तान का मनोबल और टूट गया।

(15)

प्र० क्र० (21) का अथवा का उत्तर

राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकार निम्नलिखित हैं :-

(i) देश पर होने वाले बाह्य आक्रमण, देश मे होनेवाले सशस्त्र विद्रोह, संवैधानिक तंत्र की विफलता व वित्तीय संकट होने पर राष्ट्रपति आपातकाल लागू कर सकता है

(ii) राष्ट्र राष्ट्रपति द्वारा जारी की गयीआपातकालीन उद्घोषणा का राज्यसभा द्वारा स्वीकृत किया जाना भी आवश्यक है

(iii) केन्द्रिय मंत्रिमण्डल की सलाह पर ही राष्ट्रपति आपातकाल लागू कर सकता है। राष्ट्रपति संविधान तंत्र की विफलता होनेपर भी आपातकाल लागू कर सकता है।

(iv) राज्यपाल के प्रतिवेदन स्तर या अन्य तरीके से यदि राष्ट्रपति यह विश्वास हो जाता है कि किसी देश का प्रशासन संविधान के प्रावधानो के अनुसार नही चलरहा है तो राष्ट्रपति केन्द्रियमंत्रिमंडल की सलाह पर राज्य मेराष्ट्रपति शासन लागू कर देता है।

(v) राष्ट्रपति को जब यह विश्वास हो जाता हैकि देश मे गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न होगया है तो वह आर्थिक आपातकाल लागू कर सकता है।

(16) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ · पृष्ठ 16 के अंक · कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्र०क्र. (22) का अथवा का उत्तर

मादक पदार्थ :- "ऐसे पदार्थ जिनका सेवन करने से मस्तिष्क शिथिल हो जाता है रक्त का संचार तेज होने लगता है तथा उत्तेजना से क्षणिक आनंद की अनुभूति हो, ऐसे पदार्थों को मादक पदार्थ कहते हैं।"

मादक पदार्थ का शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव -

B S E

स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव :- मादक पदार्थों का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शरीर धीरे-धीरे शिथिल होने लगता है तथा रोग उसे चारों ओर से घेर लेते हैं।

मानसिक कार्यक्षमता पर प्रभाव :- मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की शारिरिक और मानसिक कार्यक्षमता घटने लगती है। अधिक कार्य करने की शक्ति नहीं रहती है।

आर्थिक स्थिति पर प्रभाव :- इससे आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ता है। परिवार पर होने वाला खर्च नशे की भेंट चढ़ जाता है। पारिवारिक कलह बढ़ती है। जिसका प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य व विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सामाजिक प्रतिष्ठा पर प्रभाव :- समाज पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है समाज में नशेड़ी लोगों को बुरी नज़र से देखा जाता है परिवार को यह सब सहना पड़ता है, तथा परिवार अपमानित होता है।

दुर्घटनाएँ :- मादक पदार्थों के सेवन से अनेक प्रकार की दुर्घटनाएँ जैसे झगड़े, व्याभिचार, चोरी आदि जैसे दुर्घटनाएँ बढ़ जाती हैं कानून व्यवस्था बिगड़ती है व समाज में अशान्ति का वातावरण उत्पन्न हो जाता है।

प्र० क्र. (२४) का उत्तर

रानी लक्ष्मीबाई

" हरबोलो बुन्देलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।। "

रानी लक्ष्मी बाई झाँसी की रानी थी उनका विवाह गंगाधर राव के साथ हुआ था। गंगाधर राव की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी रानी लक्ष्मीबाई के दत्तक पुत्र को झाँसी का उत्तराधिकारी मानने से अंग्रेजों ने इंकार कर दिया। और झाँसी को अंग्रेजी साम्राज्य में विलय कर लिया रानी ने इसका विरोध प्रकट करते हुए। अंग्रेजी सेना से भयंकर टक्कर ली। सर ह्यूरोज द्वारा पराजित होने पर वह कालपी आई। इस युद्ध के बाद उन्होंने अंग्रेजी सेना पर फिर से आक्रमण किया व उन्हें पराजित किया। फिर उन्होंने तात्याटोपे की मदद से ग्वालियर

पर अधिकार कर लिया। सर ह्यूरोज ने फिर से ग्वालियर जाकर किले को चारों ओर से घेर लिया। रानी लक्ष्मी बड़ी वीरता से युद्ध क्षेत्र लड़ती हुई वीरगति को प्राप्त हुई। उनकी वीरता की गाथाएँ आज भी प्रसिद्ध हैं।

तात्या टोपे :-

"वह खून कहो किस मतलब का जिसमे उबाल का नाम नहीं।
वह खून कहो किस मतलब का जिसमें जीवन न रवानी"

तात्याटोपे 1857 की क्रांति के उन स्वतंत्रता आंदोलन मे से एक थे जिनकी निष्ठा अपनी पेशवा परिवार के प्रति थी तात्याटोपे नाना साहेब के स्वामिभक्त थे तात्याटोपे, निर्भिक साहसी, साधन हीनता मे युद्ध जारी रखने, चकमा देने, दुश्मनों का सामना करना तथा गुरिल्ला पद्धति के गुणों से विभूषित थे। नाना साहेब की ओर से युद्ध का समस्त उत्तरदायित्व तात्याटोपे स्वामिभक्त को दी था जिसके कारण तात्याटोपे को पारौन के जंगल मे विश्राम करते हुए बंदी बना लिया और शिवपुरी मे इसे फांसी दे दी गई।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

क.

| प्र० क्र. (23) का उत्तर |

सरकार द्वारा वन संरक्षण के लिए किए गए प्रयास -

(1) केन्द्रिय वन आयोग की स्थापना

(2) वन सर्वेक्षण संगठन की स्थापना

3) हिमालय क्षेत्र के वनो को आरक्षित कियागया -

(4) वन संरक्षण की नीति

(5) के. एम. मुंशी द्वारा वनमहोत्सव का प्रचार

(6) अन्य प्रयास जैसे वन कानूनो को लागू कियागया -

वर्णन

केन्द्रियवन आयोग की स्थापना :- सरकार द्वारा केन्द्रिय वन आयोग की स्थापना 1965 मे की गई। इसके अंतर्गत वनो के संरक्षण को बचाने मे सफल हो सके। यह प्रथम प्रयास था सरकार द्वारे वनसंरक्षण का। जो सफल रहा।

वन सर्वेक्षण संगठन की स्थापना :- वन सर्वेक्षण संगठन की स्थापना 1971 मे की गई। यह सरकार का द्वितीय प्रयास था वन संरक्षण के लिए।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD

प्रश्न क्र

हिमालय क्षेत्र के वनो को आरक्षित किया गया :- इसके अंतर्गत हिमालय क्षेत्र के वनो को काटने पर रोक लगाई गई व वनो के अंदर पशुओ की मुक्त चराई की व्यवस्था पर रोक लगाया गया। इसके द्वारा वनो का संरक्षण किया गया।

वन संरक्षण की नीति :- सरकार द्वारा वनसंरक्षण की नीति चलाई गई। जिसके अंतर्गत वनो को संरक्षित किया गया। उनकी अंधाधुंध कटाई पर रोक लगाई गई।

B
S
E

के.एम. मुंशी द्वारा वन महोत्सव का प्रचार :- के.एम. मुंशी द्वारा वन महोत्सव का प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिससे वनो की कटाई पर रोक लगायी जा सके। और वनो के संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके।

वन कानूनो को लागू किया - वन कानूनो को सरकार द्वारा प्रभावी ढंग से लागू करके हरे भरे वृक्षो की कटाई पर रोक लगी। हिमालय क्षेत्र के वनो के वृक्षो को काटने से रोका गया और पशुओ की मुक्त चराई पर भी रोक लगायी गई। सरकार द्वारा वन कानून सभी देशो मे चलाए गए। जिससे वनसंरक्षण को बढ़ावा मिला। इसी प्रकार सरकार द्वारा वनसंरक्षण हेतु और भी प्रयास किए जा रहे है।